BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

विषय – हिंदी कक्षा– छठी

पाठ - बचपन

निर्देश ः-

1. दिए गए पठित गद्यांशों को पढ़कर प्रश्नोत्तर कॉपी में करें।
2. कॉपी की जाँच स्कूल खुलने के बाद की जाएगी।

नीचे लिखे गद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए ।

1. बचपन में हमें अपने मोज़े खुद धोने पड़ते थे । वह नौकर या नौकरानी को नहीं दिए जा सकते थे । इसकी सख्त मनाही थी । हम बच्चे इतवार की सुबह इसी में लगाते । धो लेने के बाद अपने -अपने जूते पॉलिश करके चमकाते । मुझे आज भी बूट पॉलिश करना अच्छा लगता है । हालांकि अब नयी-नयी किस्म के शू आ चुके हैं । कहना होगा कि ये पहले से कहीं ज्यादा आरामदेह हैं । हमें जब नए जूते मिलते ,उसके साथ ही छालों का इलाज शुरू हो जाता । जब कभी लम्बी सैर पर निकलते ,अपने पास रुई जरूर रखते । जूता लगा तो रुई मोजे के अंदर । हाँ ,हमारे -तुम्हारे बचपन में तो बहुत फर्क हो चुका है ।

प्रश्न

प्रश्न १.लेखिका इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?

प्रश्न २.लेखिका लम्बी सैर पर जाते समय अपने पास रुई क्यों रखती थीं ?

प्रश्न ३.लेखिका के समय और अब के समय के जूतों में क्या अंतर है ?।

प्रश्न ४.' बाहर' शब्द का विलोम शब्द गद्यांश में से ढूंढकर लिखें ।

BAL BHARATI PITAMPURA

2. याद रहे उन दिनों कुछ घरों में ग्रामोफ़ोन थे , रेडियो और टेलीविज़न नहीं थे । हमारे बचपन की कुल्फी आइसक्रीम हो गयी है । कचौड़ी-समोसा पैटीज में बदल गया है । शहतूत, फालसे और खसखस के शरबत कोक -पेप्सी में । शिमला और नई दिल्ली में बड़े हुए बच्चों को वेंगर्स और डेविको रेस्त्रां की चॉकलेट और पेस्ट्री मज़ा देने वाली होती । हम भाई-बहनों की ड्यूटी लगती शिमला मॉल से ब्राउन ब्रेड लाने की ।

प्रश्न

प्रश्न १.लेखिका के समय में कुछ घरों में क्या नहीं था ?

प्रश्न २. लेखिका के समय में कोक की जगह क्या मिलता था ?

प्रश्न ३.इस गद्यांश में कौन से रेस्त्रां की बात की जा रही है ? वहां क्या मिलता था ?

प्रश्न ४. लेखिका और उनके भाई -बहनों की शिमला मॉल से क्या लाने की ड्यूटी लगती थी ?

BAL BHARATI, PITAMPURA